

कार्यं च दृष्टे राजा प्रकल्पयेत् M. 8, 324. 9, 293. स्कन्धेनापि वदेच्छत्रं कालमासाद्य बुद्धिमान् PĀṆĀT. III, 247. कालमासाद्य कंचन *nach einer Weile*: यथा काष्ठं च काष्ठं च समेयातां मकार्षवे । समेत्य च व्यपेयातां कालमासाद्य कंचन II R. 2, 103, 24. — कालसंख्यो न वेचि PĀṆĀT. 242, 19. कालं कालविभक्तीश्च M. 1, 24. एवं सर्वं स मृष्टेदं मां चाचित्यपराक्रमः । आत्मन्यस्तर्द्धे भूयः कालं कालेन पीडयन् 51. कालस्यानवस्थितत्वात् KĀT. Ça. 18, 6, 31. कालावस्था Suçr. 1, 113, 14. 151, 21. ऐतस्मात्कालात् Çat. Br. 4, 2, 4, 5. ऊर्ध्वं तु कालदेतस्मात् M. 9, 90. एतस्मिन्नेव काले N. 2, 12. अन्येष्वपि तु कालेषु M. 7, 183. सर्वेषु कालेषु R. 1, 46, 11. विषमे काले 2, 88, 15. काले शुभे प्राप्ते N. 5, 1. तस्मिन्नातिशुभे काले Daç. 1, 19. देशकालौ *der rechte Ort und die rechte Zeit, Zeit und Ort* M. 3, 126. 7, 10. 16. 64. 8, 126. 156. 157. देशे च काले च 233. Hit. I, 14. देशकालश्च N. 8, 12. कालं कार् *eine Zeit festsetzen*: कालश्च क्रियतामस्य स्वप्ने जाग्रणे तथा R. 6, 38, 29. Eine andere Bed. von कालं कार् wird u. 3 besprochen werden. त्रिकालश्च R. 1, 1, 8. इष्टपञ्चकालश्च MBh. 12, 12797. अग्नीं बुद्धुडौ कालावुभौ कालावुपस्पृशन् *bei Sonnenauf- und Niedergang* 1, 4623. षष्ठे काले ऽह्नः *zur 6ten Stunde am Tage d. i. um Mittagszeit* Vikr. 20. षष्ठान्नकालं *der nur die sechste Esszeit hat d. i. der 5 Mahlzeiten vorübergehen lässt und erst am Abend des 5ten Tages seine Mahlzeit hält*; davon nom. abstr. षष्ठान्नकालता M. 11, 200. Gewöhnlich mit Weglassung von अन्नं *Speise*: चतुर्थकालम् *zur vierten Esszeit d. i. am Abend des zweiten Tages* 109. षष्ठे काले *am Abend des dritten Tages* MBh. 13, 5175. 14, 1663. 1665. कदाचिद्वा दशे काले कदाचिदपि षोडशे । आहारमकरोद्वाजा मूलानि च फलानि च II 1, 8118. Vgl. चतुर्थकालिक und अष्टमकालिक adj. *der erst am Abend des zweiten und vierten Tages seine Mahlzeit hält* M. 6, 19. ऋतुकालं *die Zeit der monatlichen Reinigung* Nir. 1, 19. Çāṇkh. Ça. 3, 13, 47. M. 5, 153. आप्तकाले 2, 241. मत्तकाले 7, 149. निशा° N. 15, 14. प्रदेया° Hit. 22, 1. शीत°, उष्ण° I, 186. शिशुकालं *die Kinderjahre* PĀṆĀT. 192, 3. कियान्कालस्तवैव स्थितस्य संज्ञातः *wie viel Zeit ist verflossen, seitdem du stehst?* 242, 14. एवं तस्य तां नित्यं सेवमानस्य कालो याति 45, 10. काव्यशास्त्रविनेदेन कालो गच्छति धोमताम् Hit. Pr. 48. अथैवं गच्छति काले PĀṆĀT. 34, 14. गच्छता कालेन *im Verlauf der Zeit, nach einiger Zeit* 47, 6. 76, 10. 224, 7. काले गच्छति *dass. Vid. 61. एवं तेन सह सकलां रात्रिं यावद्विग्रहपरस्य कालो व्रजति* PĀṆĀT. 117, 9. 163, 22. तस्य च कृषिं कुर्वतस्तदैव निष्फलः कालो ऽतिवर्तते *die Zeit, welche er auf das Bebauen des Ackers verwendet, geht ihm fruchtlos dahin* 174, 9. तस्यैवं वर्तमानस्य कालः समभिवर्त्स्यति । अग्निं शुश्रूषमाणस्य पितरं च यशस्विनम् II R. 1, 8, 10. स च वक्रबालकान् — सदैव भक्षयन्कालं नयति PĀṆĀT. 98, 10. सदैवस्थानविकारिणो कालं नयतः 43, 2. भक्षणपानविक्रणक्रियाभिः कालो नेयः 25, 10. Hit. 37, 20. Ragh. 1, 33. कालं यापयति PĀṆĀT. 183, 24. क्व चायं विहृतस्त्वया । कालः MBh. 1, 7. नित्यकालम् *stets* M. 2, 58. 73. दीर्घकालम् *eine lange Zeit hindurch* 8, 145. Sund. 1, 10. KĀT. 1. मकार्त्तं कालम् *dass. PĀṆĀT. 114, 24. दीर्घेण कालेन* *dass. Sund. 1, 8. nach langer Zeit* R. 1, 45, 40. कालेन मक्ता *dass. Viçv. 10, 10. कालेन वक्रुना* Çāṇkh. 8. केनचित्थ कालेन *nach etniger Zeit* Viçv. 5, 13. कालेन *im Verlauf der Zeit, mit der Zeit* M. 9, 246. MBh. 3, 8843. Bhag. 4, 38. R. 4, 15, 34. PĀṆĀT. 32, 24. Kathās. 4, 20. 6, 21. Vid. 16. 184. 193. दीर्घस्य कालस्य *nach langer Zeit* N. 18, 1. M. 8, 216. R. 3, 4, 37. 4, 8, 49. कालस्य

II. Theil.

मक्तः *dass. 1, 17, 12. कस्यचित्कालस्य nach einiger Zeit* Çāk. 110, 15. कस्यचित्थ कालस्य MBh. 1, 5299. Hariv. 6386. R. 1, 26, 25. कालात् *im Verlauf der Zeit, mit der Zeit* M. 8, 251. कालतस् *dass. Kathās. 6, 101. — 2) Ereignisse, deren Ursachen sich dem Verstande entziehen, werden, da sie im Verlauf der Zeit geschehen, als unmittelbare Wirkungen der thätig gedachten Zeit aufgefasst. Schon oben u. 1. haben wir zweier Lieder des AV. gedacht, in denen der Begriff der Zeit an den der Weltordnung oder des Schicksals streift. न कर्ता कस्यचित्कालात्त्रियोगे नापि चेच्छरः । स्वभावे वर्तते कालः कस्य कालः परायणः II R. 4, 24, 5. fgg. Suçr. 1, 18, 18. Bhartṛ. 3, 43. Verz. d. B. H. No. 948. सर्वे कालेन सृज्यन्ते क्रियन्ते च पुनः पुनः MBh. 13, 56. कालस्याहं वशानुगः 51. R. 6, 12, 1. प्रचोदितो ऽहं कालेन पन्नगं वामचूचुर्म् MBh. 13, 50. अयं रामस्त्वयं राम इति कालेन चोदिताः । अन्योऽन्यं समरे जघ्नुः R. 3, 31, 47. कालचोदित 1, 1, 50. 3, 8, 8. Arç. 10, 31. Draup. 8, 4. — 3) die Alles zu Ende führende, vernichtende Zeit; Tod, sowohl der, welcher nur das einzelne Individuum trifft, als auch der, welcher am Ende der Welt Alles zerstört. Nach Suçr. 1, 122, 11 *der Tod der durch die Zeit, durch's Alter kommt*: तत्रैकः कालसंज्ञस्तु शेषास्त्वगतवः स्मृताः (मृत्यवः). Sehr häufig personificirt mit den Attributen Jama's und mit diesem bisweilen auch identificirt. AK. 1, 1, 4, 54. 3, 4, 36, 196. Trik. 3, 3, 382. H. 323. 184. H. an. Med. कालमेयिवान् *er starb* Bhāg. P. 9, 9, 2. कालं कार् *sterben* MBh. 14, 1784. R. 2, 64, 52; vgl. कालकर्मन् und कालक्रिया. कालसमापुक्तं *gestorben* 6, 93, 23. कालस्य नयने युक्ता यमस्य पुरुषाश्च पे MBh. 2, 343. सो ऽयं व्यक्तं भवतां कालहेतुः 2096. स हि मेघाचलप्रव्यः कालः पुरुषविग्रहः । वरायुधधरः श्रीमानुत्पपात विहायसा II R. 5, 89, 45. कालो हि व्यसनप्रसारितभुजो गृह्णाति हारादपि PĀṆĀT. II, 21. उपेत्य मुनिवेशो ऽथ कालः प्रेवाच राघवम् Ragh. 13, 92. पितृणां (पतिं) सर्वनिधनं कालं वैद्यानरं प्रभुम् Hariv. 12492. कालायाः कालकल्पस्तु गणाः परमदारूणाः 12463. प्रह्लादस्तु — युयुधे सह कालेन राणे काल इव स्थितः 13191. (निवातकवचाः) कालवृषाः MBh. 3, 12107. Arç. 7, 5. स्वं वृषं कालवृषाभं भवे वैश्रवणानुजः R. 3, 35, 3. कालवृषिन् 4, 59, 20. कालोपमो युद्धे 1, 22, 24. Riçat. 1, 283. कालमिवोत्त्वणम् 5, 148. निद्रया कालवृषिण्या Hariv. 3237. शून्यमासीजगतसर्वं कालेनेव कृतं तदा Sund. 2, 18. संनिरीर्षुडराधर्ष कालो लोकतये यथा R. 6, 70, 35. कालस्य कालश्च भवेत्स रामः संतिप्य लोकाश्च सृजिदधान्यान् 3, 43, 42. मृत्युर्दृष्टे सपाशं च कालः शक्तिमगृह्णात Hariv. 12146. खड्गदृष्टे धनुष्पाशं शैराघनठरं प्रभुम् । रामकालमकालेन न कालयितुमर्हसि II R. 3, 41, 26. कालपाश 1, 21, 13. 29, 9. 3, 31, 16. 35, 73. 43, 19. 5, 47, 35. Viçv. 6, 8. 9, 18. Mārk. 163, 7. Hit. 21, 11. कालदृष्ट MBh. 1, 984. R. 3, 35, 43. Viçv. 6, 2. कालास्त्र 11. कालमुद्गरं R. 3, 54, 10. कालत्रिंशु MBh. 1, 2932. कालविष 3, 10884. कालाग्निना यथा पूर्वं त्रैलोक्यं दह्यते ऽखिलम् Viçv. 15, 16. 6, 19. MBh. 3, 10393. कालाग्निसदृशः क्रोधे R. 1, 1, 19. कालाग्नमिव दुःसक्तम् 74, 17. 4, 33, 32. 30, 9; vgl. कालानल. In Verbindung mit अस्तक (vgl. कालास्तक) und मृत्यु *Tod*: अस्तकश्चाभेदेऽपि कालो लोकप्रकालनः Hariv. 374. अन्यथावत संकुहः प्रजाः काल इवास्तकः R. 3, 7, 9. मृत्युकालसम 4, 37, 20. कालमृत्युयुगात्ताम 31, 17. यथा यमो यथा मृत्युर्यथा कालो यथा विधिः कृतास्मि राक्षसान्य 3, 69, 20. काल und मृत्यु in Jama's समा MBh. 2, 340. Kāla (kann hier wie im Folgenden auch als Personif. der Zeit oder des Schicksals aufgefasst werden) als*

16*